प्रश्न	प्रश्न '	पत्र गुच	ऋ सं.	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
1	1 (क)	2 (क)	1 (क)	'खंड क'  • अधिक बोलने की कला के कारण	1.1.2
	(ख)	(ख)	(ख)	<ul> <li>दूसरों की बात न सुनने की इच्छा</li> <li>बच्चे सही-गलत का निर्णय नहीं कर पाते</li> <li>अधिक बोलने से उत्पन्न विरोधाभासी शब्दों के जाल में फँस जाने के कारण</li> </ul>	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul> <li>अपने बारे में ज़्यादा सोचने का</li> <li>दूसरों के बारे में कम सोचने का</li> <li>दूसरों पर हावी होने की कोशिश करने का (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)</li> </ul>	1+1=2
	(ঘ)	(ঘ)	(ঘ)	<ul> <li>स्वयं कम बोलकर दूसरों की अधिक सुनना।</li> <li>अपने माली जैसे सामान्य जन के साथ समय बिताना।</li> </ul>	1+1=2
	(퍟)	(ङ)	(퍟)	<ul> <li>स्वयं को बेहतर दिखाने की इच्छा होती है और हम दूसरों को बोलने का अवसर ही नहीं देना चाहते।</li> <li>आमतौर से हम सुनना कम और बोलना अधिक चाहते हैं।</li> </ul>	2
	(च)	(च)	(च)	<ul> <li>विद्वान व्यक्ति बोलते कम और सुनते अधिक हैं।</li> <li>अधिक बोलने वाले व्यक्ति के मित्र कम और शत्रु अधिक होते हैं।</li> <li>सामान्य लोगों को सुनना लोकप्रियता का कारण बनता है।</li> </ul>	2

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.		ऋ सं.	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
2	2 (क)	1 (क)	2 (क)	तेज़ी से घूमते भँवर के समान यादें मन को अशांत कर उसे अतीत की गहराई में ले जाती हैं।	2
	(평)	(평)	(평)	<ul> <li>चैन से नहीं रहने देतीं।</li> <li>पीड़ा पहुँचाती हैं।</li> <li>आगे नहीं बढ़ने देतीं।</li> <li>(कोई दो बिंदु स्वीकार्य)</li> </ul>	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	शरीर में धँसा काँच अदृश्य होकर भी पल-पल चुभन पहुँचाता है उसी तरह यादें भी जीवन भर मन को कष्ट देती रहती हैं।	2
	(ঘ)	(ঘ)	(ঘ)	यादें अनेक प्रकार की हो सकती हैं, वे हमारी ही सोच या कार्यों से उत्पन्न होती हैं इसलिए उनके बारे में कोई भी मंतव्य स्थापित करना स्वयं को दोषी बना सकता है।	2
3	3	3	3	खंड 'ख'	
	(i)	(i)	(i)	ध्वनियों की स्वतंत्र, सार्थक इकाई शब्द कहलाती है। जैसे — लड़की	1/2 +1/2 = 1
	(ii)	(ii)	(ii)	पद	1

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और
		2 3		<u> </u>	अंक -
	1	2	3		विभाजन
		Ī			
4	4	_	_		
	(i)	_	_	वह बाज़ार गया क्योंकि उसे पुस्तक लेनी थी /	
				जब उसे पुस्तक लेनी थी तब वह बाज़ार गया। /	
				चूँकि / क्योंकि उसे पुस्तक लेनी थी इसलिए वह बाज़ार गया।	1
	(ii)	_	_	तुमने अच्छी घड़ी खरीदी।	1
	(iii)	_	_	वह वाचनालय गया और समाचार-पत्र पढ़ने लगा।	1
	_	4	_		
	_	(i)	_	मैंने एक व्यक्ति को देखा और वह बहुत बीमार था।	1
	_	(ii)	_	मिश्र वाक्य	1
	_	(iii)	_	जो व्यक्ति शरीर से कमज़ोर है उसके लिए यह प्रतियोगिता नहीं है।	1
				•	
	_	_	4		
	_	_	(i)	जो माता-पिता की सेवा करते हैं उन्हें किसी अन्य की सेवा नहीं	
				चाहिए।।	1
	_	_	(ii)		1
					_
	_	_	(iii)	सरल पाक्य	1
5	5	_	_		
	(क)	_	_	दहेज की प्रथा — तत्पुरुष समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$
				महान है जो आत्मा – कर्मधारय समास	$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = \underline{1}$
	(폡)	_	_	नवयुवक — कर्मधारय समास	1/2 +1/2 = 1
				ध्यानमग्न - तत्पुरुष समास	1/2 +1/2 = 1

प्रश्न	प्रश्न	पत्र गुच	ऋ सं.	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
	Ι_	5			
	_	(क)	_	जन का हित — तत्पुरुष समास	1/2 +1/2 = 1
				मधुर है जो फल – कर्मधारय समास	1/2 +1/2 = 1
	_	(평)	_	स्वप्नदर्शी – कर्मधारय समास	1/2 +1/2 = 1
				आत्मरक्षा – तत्पुरुष समास	1/2 +1/2 = 1
	_	_	5		
	_	_	(क)	चिंता से रहित – तत्पुरुष समास	1/2 +1/2 = 1
				शुभ है जो दिन – कर्मधारय समास	1/2 +1/2 = 1
	_	_	(폡)	मातृभक्त – तत्पुरुष समास	1/2 +1/2 = 1
				चंद्रमुख – कर्मधारय समास	1/2 +1/2 = 1
6	6	_	_		
	(क)	_	_	हम यहाँ सकुशल हैं। / हम यहाँ कुशलपूर्वक हैं।	1
	(碅)	_	_	आज लगभग एक दर्जन छात्र नहीं आए हैं।	1
	(ग)	_	_	कृपया आज का अवकाश दें। /	
				आज का अवकाश देने की कृपा करें।	1
	(घ)	_	_	मोहन घर गया और सो गया।	1

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और
			I	<u> </u>	अंक -
	1	2	3		विभाजन
	I				
	_	6	_		
	_	(क)		एक कप गरम चाय पी लो।	1
	_	(폡)		उससे हमारी बात हो गई है।	1
	_	(ग)	_	यहाँ केवल / मात्र दो पुस्तकें रखी हैं।	1
	_	(ঘ)	_	वह तुमसे भली-भाँति परिचित है। / वह तुमसे सुपरिचित है।	1
	_	_	6		
	_	_	(क)	हमें पिताजी से मिलना है।	1
	_	_	(폡)	उत्तम चरित्र-निर्माण हमारा लक्ष्य होना चाहिए।	1
	_	_	(ग)	कितने लोग हमारी बुराई करते रहते हैं।	1
	_	_		शिक्षक ने शशांक को बुलाया।	1
				<b>3</b>	
7	7	7	7	अर्थपूर्ण एवं उचित वाक्यों पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2
'	,	,	,		1 1 2
8	8	8	8		
8					
	(क)	(क)	(क)		1 1 2
				भ्रष्टाचारी, रिश्वतखोर।	1+1=2
				(किन्हीं दो बिंदुओं पर चर्चा अपेक्षित)	
	(ख)	(폡)	(폡)	• महानगरीकरण के कारण समुद्री ज़मीन को घेरकर इमारतों का	
				निर्माण।	
				• लहरों में तैरते तीन जहाज़ों को तीन अलग-अलग दिशाओं में	
				फेंक दिया।	1+1=2

प्रश्न	प्रश्न	पत्र गुच्छ सं.		उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
	(ग)	(ग)	(ग)	<ul> <li>आसिफ़उद्दौला का छोटा भाई तथा वज़ीर अली का चाचा।</li> <li>उसके माध्यम से अवध में अपना साम्राज्य स्थापित कर सम्पत्ति हड़पना चाहता था।</li> </ul>	1/2 +1/2 = 1
9	9	_	_	<ul> <li>अमेरिका से प्रतिस्पर्धा।</li> <li>एक माह का काम एक दिन में करने का प्रयत्न।</li> <li>दिमाग में स्पीड का इंजन लगना।</li> <li>एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़।</li> <li>(उपयुक्त विस्तार सिहत छात्रों द्वारा दिए गए तर्क संगत उत्तर अपेक्षित)</li> </ul>	2+3=5
9	_	9	_	<ul> <li>स्वार्थ सिद्धि – 'स्व' की भावना के कारण परोपकारिता का अभाव</li> <li>जीवन मूल्यों में गिरावट – भाई-चारे की कमी (सौहार्दभाव की कमी) के कारण</li> <li>संवेदनहीनता – दूसरों के दुख में समभागी न होना।</li> <li>एकल परिवार का बढ़ना – जीविकोपार्जन की मजबूरी।</li> <li>(उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)</li> </ul>	5
	_	_	9	तैयारी — शांत वातावरण, तातामी चटाई से युक्त पर्णकुटी, एक समय में दो या तीन व्यक्तियों का ही प्रवेश, चाज़ीन द्वारा स्वागत, अँगीठी सुलगाना, चायदानी रखना, बरतन लाकर तौलिए से साफ़ करना।	

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.		ळ सं.	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और
			T	6 9	अंक -
	1	2	3		विभाजन
				प्रभाव —	
				दिमाग की गति धीमी होना और फिर बंद हो जाना, तनावमुक्ति,	
				वर्तमान से जुड़ाव	5
				(उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	
10	10	10	10		
	(क)	(क)	(क)	प्राकृतिक संपदा प्राणियों में भेदभाव नहीं करती किंतु वैज्ञानिक	
				उपलब्धि व स्वार्थ के कारण मनुष्य ने उस पर अपना नियंत्रण कर	
				लिया है। पहले यह संसार एक परिवार के समान था, अब वह	
				टुकड़ों में बँट गया है।	2
	(폡)	(ख)	(ख)	जीविकोपार्जन, स्वार्थ सिद्धि, जनसंख्या वृद्धि, वैचारिक भिन्नता,	
	, ,			वर्तमान जीवन शैली	2
				(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	
	(ग)	(ग)	(刊)	इस धरती पर सभी की बराबर की हिस्सेदारी है और सभी इसका	
	( ')			समान रूप से उपभोग करते हैं।	1
					1
11	11	11	11		
11	11 (æ)			साधक — सच्चा मन और भक्ति।	
	(9n)	(90)	(90)		1.1.2
				बाधक – बाह्य आडम्बर एवं सांसारिक आकर्षण	1+1=2
	( <del></del> )	()	()		
	(넵)	( এ)	( (থ	• सभी परिस्थितियों में प्रसन्नतापूर्वक जलने के लिए	
				• प्रियतम के पथ को आलोकित करने के लिए	1+1=2

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
	(ग)	(ग)	(ग)	भारत-चीन युद्ध।	1
12	12	12	-	<ul> <li>जीवन-भार स्वयं वहन कर सकें।</li> <li>सुख के समय में भी प्रभु को निरंतर याद रखें।</li> <li>ईश्वर की शिक्त और करुणा पर विश्वास रखें</li> <li>विपत्तियों और बाधाओं में आत्मबल, आत्मविश्वास व आत्मिनर्भरता बनाए रखें।</li> <li>(उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)</li> </ul>	5
	_	_	12	देशभिक्त की भावना सर्वोपिर है। अपने प्राणों का बिलदान देकर भी देश की रक्षा करने का सिलिसिला जारी रहना चाहिए। हमें देश की मर्यादा एवं मान-सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले दुश्मनों को मुँहतोड़ जवाब देना चाहिए। हमें देश भक्तों द्वारा बहाए गए रक्त को सदैव याद रखना चाहिए।	
13	13	13	13	<ul> <li>एक ही बोली बोलने के कारण</li> <li>स्नेह के कारण</li> <li>आत्मीयता के कारण</li> <li>(मानवीय मूल्यों पर आधारित उपयुक्त उत्तर अपेक्षित)</li> </ul>	2+3=5

	प्रश्न	प्रश्न	पत्र गुच	ऋ सं.	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक –
•		1	2	3		विभाजन
[						
	1.4	1.4		1.5	खंड 'घ'	
	14	14	14	15	अनुच्छेद लेखन • विचारों की मौलिकता	2
					<ul><li>प्रस्तुति</li></ul>	2 2
					<ul><li>विषयानुकूल भाषा</li></ul>	
						<u>1</u> <u>5</u>
						<u>5</u>
	15	15	15	14	पत्र लेखन	
					• प्रारूप	1
					• विषयवस्तु	3
					• विषयानुकूल भाषा	<u>1</u>
						<u>1</u> <u>5</u>
	16	16	17	16	सूचना लेखन	
					• प्रारूप एवं प्रस्तुति	2
					• विचारों की मौलिकता	2
					• विषयानुकूल भाषा	<u>1</u> <u>5</u>
						<u>5</u>
	17	17	16	17		
					• प्रस्तुति	2
					• विचारों की मौलिकता	2
					• विषयानुकूल भाषा	<u>1</u> <u>5</u>
						<u>5</u>

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक -
	1	2	3		विभाजन
	I		I		
18	18	18	18	विज्ञापन लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	<u>1</u>
					<u>5</u>